

श्री रामाष्टोत्तर शत नामावलि

- ॐ श्रीरामाय नमः
 ॐ रामभद्राय नमः
 ॐ रामचन्द्राय नमः
 ॐ शाश्वताय नमः
 ॐ राजीवलोचनाय नमः
 ॐ श्रीमते नमः
 ॐ राजेन्द्राय नमः
 ॐ रघुपुङ्गवाय नमः
 ॐ जानकिवल्लभाय नमः
 ॐ जैत्राय नमः ॥ 10 ॥
 ॐ जितामित्राय नमः
 ॐ जनार्धनाय नमः
 ॐ विश्वामित्रप्रियाय नमः
 ॐ दान्तय नमः
 ॐ शरनत्राण तत्सराय नमः
 ॐ वालिप्रमदनाय नमः
 ॐ वङ्गिने नमः
 ॐ सत्यवाचे नमः
 ॐ सत्यविक्रमाय नमः
 ॐ सत्यव्रताय नमः ॥ 20 ॥
 ॐ व्रतधराय नमः
 ॐ सदाहनुमदाश्रिताय नमः
 ॐ कोसलेयाय नमः
 ॐ खरध्वसिने नमः
 ॐ विराधवधपन्दिताय नमः
 ॐ विभि ष णपरित्राणाय नमः
 ॐ हरकोदण्ड खण्ड नाय नमः
 ॐ सप्तताल प्रभैत्यै नमः
 ॐ दशग्रीवशिरोहराय नमः
 ॐ जामदग्न्यमहाधर्पदलनाय नमः ॥ 30 ॥
 ॐ तातकान्तकाय नमः
 ॐ वेदान्त साराय नमः
 ॐ वेदात्मने नमः
 ॐ भवरोगास्यभै षजाय नमः

ॐ त्रिमूर्ते ये नमः
 ॐ त्रिगुणात्मकाय नमः
 ॐ त्रिलोकात्मने नमः ॥ 40 ॥
 ॐ त्रिलोकरक्षकाय नमः
 ॐ धन्विने नमः
 ॐ दण्ड कारण्यवर्तनाय नमः
 ॐ अहल्याशापशमनाय नमः
 ॐ पितृ भक्ताय नमः
 ॐ वरप्रदाय नमः
 ॐ जितेओद्रे याय नमः
 ॐ जितक्रोथाय नमः
 ॐ जित मित्राय नमः
 ॐ जगद्गुरवे नमः ॥ 50 ॥
 ॐ वृक्षवानरसङ्घाते नमः
 ॐ चित्रकुटसमाश्रये नमः
 ॐ जयन्त त्राणवर दाय नमः
 ॐ सुमित्रापुत्र सेविताय नमः
 ॐ सर्वदेवाद् देवाय नमः
 ॐ मृत वानरजीवनाय नमः
 ॐ मायामारी चहन्त्रे नमः
 ॐ महादेवाय नमः
 ॐ महाभुजाय नमः
 ॐ सर्वदे वस्तुताय नमः ॥ 60 ॥
 ॐ सौम्याय नमः
 ॐ ब्रह्मण्याय नमः
 ॐ मुनिसंस्तुताय नमः
 ॐ महायोगिने नमः
 ॐ महोदराय नमः
 ॐ सुग्रीवे प्सित राज्यदाय नमः
 ॐ सर्व पुण्यादेक फलिने नमः
 ॐ स्मृत स्सर्वोघनाशनाय नमः
 ॐ आदि पुरुषाय नमः
 ॐ परमपुरुषाय नमः
 ॐ महा पुरुषाय नमः ॥ 70 ॥
 ॐ पुण्योद याय नमः
 ॐ दयासाराय नमः
 ॐ पुरुषोत्तमाय नमः
 ॐ स्मितवक्त्राय नमः

ॐ अमित भाषिणे नमः
 ॐ पूर्वभाषिणे नमः
 ॐ राघवाय नमः
 ॐ अनन्त गुण गम्भीराय नमः
 ॐ धीरोदात्त गुणोत्तमाय नमः ॥ 80 ॥
 ॐ मायामानुषचारित्राय नमः
 ॐ महादेवादि पूजिताय नमः
 ॐ सेतुकृते नमः
 ॐ जितवाराशिये नमः
 ॐ सर्व तीर्द मयाय नमः
 ॐ हरये नमः
 ॐ श्यामाङ्गाय नमः
 ॐ सुन्द राय नमः
 ॐ शूराय नमः
 ॐ पीत वासने नमः ॥ 90 ॥
 ॐ धनुर्ध राय नमः
 ॐ सर्वयज्ञाधीपाय नमः
 ॐ यज्विने नमः
 ॐ जरामरण वर्ण ताय नमः
 ॐ विभेषणप्रतिष्ठात्रे नमः
 ॐ सर्वावगुनवर्ण ताय नमः
 ॐ परमात्मने नमः
 ॐ परस्मै ब्रह्मणे नमः
 ॐ सचिदानन्दाय नमः
 ॐ परस्मैज्योति षे नमः ॥ 100 ॥
 ॐ परस्मै धाम्ने नमः
 ॐ पराकाशाय नमः
 ॐ परात्सराय नमः
 ॐ परेशाय नमः
 ॐ पाराय नमः
 ॐ सर्वदे वत्मकाय नमः
 ॐ परस्मै नमः ॥ 108 ॥